an>

Title: Need to promote and conserve Banjara Lengi, a folk dance of Maharashtra.

श्री राजीव सातव (हिंगोली) ः महाराष्ट्र के एक प्रमुख प्राचीन लोककला के रूप में प्रसिद्ध बंजारा लेंगी नृत्य आज अपने सर्वाधिक निम्न स्थिति में है। यह नृत्य बंजारा संस्कृति और स्थानीय लोककला को दर्शाने वाले महाराष्ट्र राज्य की एक प्रमुख सांस्कृतिक विरासत है। स्थानीय स्तर पर इसके विकास और प्रोत्साहन के साथ ही इसके पुनरूद्धार की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

देश के प्रमुख शास्त्रीय नृत्यों की भांति लोककलाओं को अंतर्राष्ट्रीय मंचों सहित राष्ट्रीय स्तर पर उभारना और प्रोत्साहित करना आज बेहद जरूरी है क्योंकि समाज और राष्ट्र की विविधता के साथ एकता का स्वरूप प्रदान करने वाली ये लोककलाएं आज मरणासन्न स्थिति में है। ऐसे में इनके प्रति सरकार की यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी बनती है कि वह इन लोककलाओं का न केवल संरक्षण करे बल्कि इसके विकास और उत्थान के लिए भी प्रयास करे।

मैं सरकार का ध्यान इस महत्वपूर्ण बिंदु की ओर दिलाना चाहता हूं कि इस दिशा में अविलंब कार्यवाई की जाये। बंजारा लेंगी नृत्य सहित तमाम लोककलाओं (नृत्यों) को सरकारी स्तर पर आयोजित होने वाले तमाम सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल किया जाए और साथ-ही-साथ देश के अंदर इसके विकास और प्रसार के लिए समुचित कदम उठायें जाएं। इस विद्या के कलाकारों की आजीविका और उनके कल्याणार्थ प्रयास किए जाएं।